

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना का वकिंद्रीकरण

प्रलिमिंस के लिये:

मनरेगा, मुद्दे, न्यूनतम मज़दूरी अधिनियम, 1948.

मेन्स के लिये:

सरकारी नीतियाँ और हस्तक्षेप

ग्रामीण विकास मंत्रालय के एक आंतरिक अध्ययन के अनुसार, [महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना \(MGNREGS\)](#) को ज़मीनी स्तर पर अधिक "लचीलापन" की अनुमति देने के लिये वकिंद्रीकृत किया जाना चाहिये।

अध्ययन के नषिकर्ष:

■ मुद्दे:

- वगित कुछ वर्षों में, **ग्राम सभाओं** को अग्रमि भुगतान करने के बजाय कोष प्रबंधन को केंद्रीकृत कर दिया गया है ताकि वे उस कार्य को तय कर सकें जो वे करना चाहते हैं।
- **कोष वतिरण में देरी** की एक पुरानी समस्या है, जहाँ लाभार्थी परियोजनाओं को पूरा करने के लिये नरिमाण सामग्री खुद ही खरीद लेते हैं।
 - हमिचल प्रदेश और गुजरात में मज़दूरी देने में तीन या चार महीने और **नरिमाण सामग्री उपलब्धता में छह महीने की देरी हुई थी।**
- **कई राज्यों में मनरेगा की मज़दूरी बाज़ार दर से काफी कम थी,** जो सुरक्षा जाल के रूप में कार्य करने के उद्देश्य को वफिल कर रही थी।
 - वर्तमान में गुजरात में एक खेतहिर मज़दूर की न्यूनतम मज़दूरी 324.20 रुपए है, लेकिन मनरेगा के तहत उनकी मज़दूरी 229 रुपए है।
 - नजिी ठेकेदार मज़दूरों को अधिक भुगतान करते हैं।
- अनुमेय कार्यों के प्रकारों को सूचीबद्ध करने के बजाय **अनुमेय कार्यों का अधिक वविधीकरण** होना चाहिये, इसके साथ ही कार्यों की व्यापक श्रेणियों को सूचीबद्ध किया जा सकता है और व्यापक श्रेणियों के अनुसार कार्यों के प्रकार का चयन करने के लिये ज़मीनी स्तर पर लचीलापन प्रदान किया जाना चाहिये।
- ग्राम सभाएँ अपने लिये नरिधारति लक्ष्य को पूरा करने के बजाय **स्थानीय परस्थितियों और समुदाय की आवश्यकताओं** को ध्यान में रख सकती हैं।
- समय पर संवतिरण करने के लिये **रविॉल्वगि फंड (एक अतरिकित आंतरिकि मौद्रिकि पूल)** होना चाहिये जिसका उपयोग केंद्रीय नधि में देरी होने पर किया जा सकता है।

मनरेगा:

■ परिचय:

- मनरेगा, जसि वर्ष 2005 में लॉन्च किया गया था, दुनिया के सबसे बड़े कार्य गारंटी कार्यक्रमों में से एक है।
- योजना का प्राथमिकि उद्देश्य कसि भी ग्रामीण परिवार के अकुशल शारीरिकि कार्य करने के इच्छुक वयस्क सदस्यों को प्रत्येक वतितीय वर्ष में **100 दिनों के रोजगार की गारंटी देना है।**
- वर्ष 2022-23 तक मनरेगा के तहत **15.4 करोड सक्रयि श्रमिकि हैं।**

■ कार्य का कानूनी अधिकार:

- पहले की रोजगार गारंटी योजनाओं के वपिरीत मनरेगा का उद्देश्य अधिकार-आधारति ढाँचे के माध्यम से चरम नरिधनता के कारणों का समाधान करना है।
- लाभार्थियों में कम-से-कम एक-तहिई महिलाएँ होनी चाहिये।
- **मज़दूरी का भुगतान न्यूनतम मज़दूरी अधिनियम, 1948** के तहत राज्य में कृषि मज़दूरों के लिये नरिदषिट वैधानिकि न्यूनतम मज़दूरी के अनुरूप किया जाना चाहिये।

■ मांग-प्रेरति योजना:

- मनरेगा की रूपरेखा का सबसे महत्त्वपूर्ण अंग यह है कि इसके तहत किसी भी ग्रामीण वयस्क को मांग करने के 15 दिनों के भीतर काम पाने की कानूनी रूप से समर्थति गारंटी प्राप्त है, जिसमें वफिल होने पर उसे 'बेरोज़गारी भत्ता' प्रदान किया जाता है।
- यह मांग-प्रेरति योजना श्रमकों के स्व-चयन (Self-Selection) को सक्षम बनाती है।

■ वकेंद्रीकृत योजना: इन कार्यों के योजना नरिमाण और कार्यान्वयन में पंचायती राज संस्थाओं (PRIs) को महत्त्वपूर्ण भूमिकाएँ सौंपकर वकेंद्रीकरण की प्रक्रिया को सशक्त करने पर बल दिया गया है।

- अधनियम में आरंभ किये जाने वाले कार्यों की सफिरशि करने का अधकिसग्राम सभाओं को सौंपा गया है और इन कार्यों को कम-से-कम 50% उनके द्वारा ही नषिपादति किया जाता है।



//

UPSC सविलि सेवा परीक्षा वगित वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. नमिनलखिति में से कौन "महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी अधनियम" से लाभान्वति होने के पात्र हैं? (2011)

- (a) केवल अनुसूचति जात और अनुसूचति जनजात परिवारों के वयस्क सदस्य
- (b) गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) के परिवारों के वयस्क सदस्य
- (c) सभी पछिड़े समुदायों के परिवारों के वयस्क सदस्य
- (d) किसी भी परिवार के वयस्क सदस्य

उत्तर: (d)

स्रोत: द हट्टि